केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 117 गुरूवार 19 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्यः3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कार्यकर्ताओं से बनाया संवादः बूथ स्तर पर मजबूती का दिया संदेश



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के बस्ती आगमन पर बुधवार को जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने अपने प्रवास के दौरान बस्ती लोकसभा क्षेत्र की प्रमुख विधानसभाओं , हरैया एवं बस्ती सदर में संगठनात्मक बैठकों में भाग लिया और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की।

प्रवास की शुरुआत में हरैया विधानसभा क्षेत्र की सीमा घंघौला पर क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय, क्षेत्रीय प्रभारी अभिजात मिश्र, जिला प्रभारी डॉ सत्येन्द्र सिंन्हा, जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, स्थानीय विधायक अजय सिंह, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, संजय जायसवाल,चन्द्र प्रकाश शुक्ल, रवि सोनकर,अजय सिंह गौतम,वैभव पांडे, राजेश पाल चौधरी, पूर्व मंत्री राजकिशोर सिंह, पूर्व सांसद अरविंद चौधरी, जिला पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष का माल्यार्पण कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

इसके बाद अक्बेश सिंह होटल के सभागार में हरैया विधानसभा की कार्यकर्ता बैठक आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने क्षेत्र के पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारियों तथा वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और बूथ स्तर तक पार्टी की तैयारियों पर बल दिया।

हरैया की बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष बस्ती सर्किट हाउस पहुंचे, जहां बस्ती सदर विधानसभा की बैठक में शिरकत की। इस बैठक में विधानसभा क्षेत्र के पूर्व एवं वर्तमान प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी तथा वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी ऊर्जा के साथ जुटने का आह्वान किया।

योगी कैबिनेट की बैठक में 30 प्रस्तावों पर लगी मुहरः ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढाया गया



लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री आवास में बुधवार को सीएम योगी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई। इस कैबिनेट बैठक में 30 अहम प्रस्तावों को मुहर लगी। उत्तर प्रदेश पंचायत राज (संशोधन) अध्यादेश–2026 को मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही अब यूपी पंचायत चुनाव आगे बढ़ गया है। साथ ही पिछड़ा वर्ग आयोग और प्रधानों का प्रशासक के रूप में कार्यकाल भी छह माह बढ़ा दिया गया।

योगी सरकार ने ग्राम प्रधानों का कार्यकाल खत्म होने पर उन्हें छह माह के लिए प्रशासक नियुक्त किया था। उनका कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो जाएगा। मौजूदा अधिनियम में अधिकतम छह माह तक प्रशासक नियुक्त किए जाने का ही प्रावधान है। ऐसे में सरकार अधिनियम में अध्यादेश के जरिए बदलाव किया है। कैबिनेट के समक्ष वक्फ संपत्तियों से अवैध कब्जे हटाए जाने का प्रस्ताव भी रखा गया। इसके लिए उत्तर प्रदेश एकीकृत वक्फ प्रबंधन एवं दक्षता और विकास नियमावली को मंजूरी मिली है। इसके अलावा आगरा के बाह विधानसभा क्षेत्र में ग्राम पंचायत उगनपुरा में स्टेडियम निर्माण के लिए युवा कल्याण विभाग की 2.476 हेक्टेअर भूमि खेल विभाग के पक्ष में निःशुल्क हस्तांतरण का भी प्रस्ताव पास हो गया है।

कांग्रेस नेता बसन्त चौधरी ने रूधौली विधानसभा से ठोकी दावेदारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–



बस्ती। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी बसन्त चौधरी ने रूधौली विधानसभा से चुनाव लड़ने का मन बना लिया है। कांग्रेस नेता बसन्त चौधरी ने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव का मन बना चुकी है ऐसे में कांग्रेस की प्राथमिकता रूधौली और हरैया विधानसभा से चुनाव लड़ने की है। इससे प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व को अवगत करा दिया गया है। बसन्त चौधरी ने कहा कि यदि नेतृत्व ने उन्हें अवसर दिया तो वे रूधौली विधानसभा से चुनाव लड़ने को तैयार है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता बसन्त चौधरी ने बताया कि इस बार के चुनाव में कांग्रेस– सपा गठबंधन की सरकार बनना तय है। प्रदेश की जनता भाजपा के नकारात्मक राजनीति, श्रीराम मंदिर से चंदा चोरी, भ्रष्टाचार से ऊब चुकी है। लोगों को तहसील, थाना आदि में छोटे–छोटे काम कराने के लिये भारी भरकम रिश्वत देनी पड़ रही है, मंहगाई, बेरोजगारी चरम है । गरीबों, अल्पसंख्यकों की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ऐसे में लोग बड़ी उम्मीद के साथ कांग्रेस की ओर देख रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि बस्ती जनपद से कांग्रेस ने रूधौली और हरैया विधानसभा से दावेदारी पेश किया है। कहा कि राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व का निर्णय उन्हें स्वीकार होगा।

बीमा योजनाएं बनीं जरूरतमंद परिवारों का सहारा, तीन लाभार्थियों को मिले दो-दो लाख रुपये के चेक



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जरूरत के समय आर्थिक सहायता जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित होती है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना 'पीएमजेजेबीवाई' एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना पीएमएसबीवाई के तहत उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा मुण्डेरवा से जुड़े तीन मृतक बीमाधारकों के नामित परिजनों को बुधवार को दो–दो लाख रुपये की बीमा क्लेम धनराशि के चेक प्रदान किए गए। बीमा राशि मिलने से तीनों परिवारों को आर्थिक संबल मिला।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत जगदीशपुर मुंडेरवा निवासी रानी तथा मुंडेरवा निवासी बेबी को दो–दो लाख रुपये के चेक प्रदान किए गए। वहीं, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत ग्राम लगुनही, पोस्ट एकडंगी निवासी श्यामलाल के परिजन को भी दो लाख रुपये की बीमा क्लेम धनराशि का चेक सौंपा गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय बस्ती के क्षेत्रीय प्रबंधक रमेश चंद्र चौधरी रहे। उन्होंने लाभार्थियों को बीमा क्लेम के चेक वितरित किए।

– बैंक अधिकारियों ने योजनाओं के प्रति किया जागरूक

इस अवसर पर सहायक प्रबंधक श्रीनिवास चन्द तथा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा मुंडेरवा के शाखा प्रबंधक संजीत कुमार की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में सीएसपी संचालक सुरेन्द्र कुमार चौधरी, अजय कुमार, अर्जुन प्रसाद गुप्ता, बैंक मित्र उमाकांत गोस्वामी, बैंक सखी रीता सहित अन्य खाताधारक एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इस दौरान बैंक अधिकारियों ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये योजनाएं विपरीत परिस्थितियों में परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने आमजन से इन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ने और इनके प्रति जागरूक रहने की अपील की।

बीमा क्लेम की धनराशि प्राप्त होने पर लाभार्थी परिवारों को राहत मिली। उपस्थित लोगों ने बैंक की इस पहल की सराहना करते हुए इसे जरूरतमंद परिवारों के लिए उपयोगी कदम बताया।

रेजांगला की धरती पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले 114 वीर सैनिकों को किया नमन्



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वर्ष 1962 में भारत–चीन युद्ध के दौरान रेजांगला की धरती पर अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले 114 वीर अहीर सैनिकों की शहादत को नमन करने के लिए बुधवार को कुदरहा स्थित ब्लॉक परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं देशभक्तों ने हिस्सा लेकर सैनिकों के योगदान पर चर्चा करते हुये उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

समाजवादी पार्टी नेता और महादेवा विधानसभा से प्रबल दावेदार गीता भारती ने इस मौके पर कहा कि भारत का इतिहास वीरता, त्याग, बलिदान और राष्ट्र प्रेम की असंख्य गाथाओं से समृद्ध है। देश की स्वतंत्रता, संप्रभुता और अखंडता की रक्षा में भारतीय सेना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। रेजांगला शौर्य दिवस 1962 के भारत–चीन युद्ध में रेजांगला की लड़ाई में भारतीय सैनिकों के असाधारण साहस और बलिदान की याद दिलाता है। यह दिन मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में 13 कुमाऊं बटालियन की चार्ली कंपनी के 120 सैनिकों के बलिदान का सम्मान करता है, जिन्होंने भारी संख्या में चीनी सैनिकों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और 114 सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया।

अमर शहीदों को नमन् करने वालों में गंगा प्रसाद यादव, प्रेम जी यादव, अनिल कुमार यादव शिवाजी यादव, अवधेश सिंह जी, कैप्टन आर के यादव, सार्जेंट विजयपाल, रामजी गोंड, रामगोपाल सिंह, नागेंद्र यादव, सौरव गुप्ता, मेजर उपाध्याय, रमेश सिंह, प्रेम नारायण गोस्वामी, रविंद्र यादव, शिवा अंबेडकर, रुपेश यादव, विजय लक्ष्मी, सुमन देवी के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

दम्पत्ति ने मेडिकल कॉलेज बस्ती को किया देहदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–



बस्ती। मानव सेवा और समाज के प्रति समर्पण की अनूठी मिसाल पेश करते हुए संतपुर, ह्विजेश मार्ग निवासी राधेश्याम सेवानिवृत्ति लैब टेक्नीशियन एवं उनकी पत्नी निर्मला देवी सेवानिवृत्ति महिला हेल्थ सुपरवाइजर ने मृत्यु के उपरांत अपना पार्थिव शरीर मेडिकल कॉलेज बस्ती को दान करने की पूरी प्रक्रिया पूरी कर ली है। मंगलवार, 17 नवम्बर को दंपती ने देहदान से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी करते हुए प्रमाणपत्र भी प्राप्त कर लिया। दंपती के इस निर्णय को चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और भावी चिकित्सकों के प्रशिक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। देहदान के माध्यम से मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना का व्यावहारिक अध्ययन करने का अवसर मिलेगा, जिससे चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान और अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा।

राधेश्याम और निर्मला देवी का यह कदम समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने अपने इस निर्णय से संदेश दिया है कि मृत्यु के बाद भी मानव शरीर चिकित्सा शिक्षा और मानव कल्याण के काम आ सकता है। दंपती का यह संकल्प देहदान के प्रति सामाजिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। उनका मानना है कि जीवन के बाद भी उनका शरीर मानवता की सेवा में उपयोगी हो सके, इससे बड़ी संतुष्टि और क्या हो सकती है।

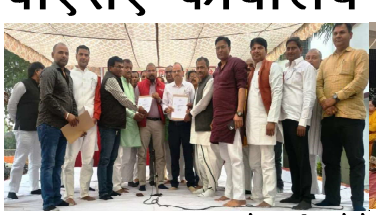
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का सुमन सिंह ने किया फूल मालाओं के साथ स्वागत



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के बस्ती आगमन पर बुधवार को पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने स्थान–स्थान पर फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया। रूधौली विधानसभा से प्रबल दावेदार सुमन सिंह ने विकमजोत के निकट पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों के साथ पंकज चौधरी का विशाल फूल मालाओं से स्वागत किया। पंकज चौधरी ने कहा कि पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता 2027 के चुनाव तैयारियों में जुट जाय और केन्द्र, राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं से लोगों को लाभान्वित करायें। सुमन सिंह ने कहा कि भाजपा की सरकार में महिलाओं का सर्वाधिक उत्थान हुआ है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के स्वागत के दौरान सुमन सिंह के साथ मुख्य रूप से राघवेन्द्र त्रिपाठी, राजन सिंह, रंजना त्रिपाठी, दिलीप सिंह, आशुतोष श्रीवास्तव, नीरज मिश्रा संजय चुन्नू उपाध्याय, मयंक सिंह, शबनम खातून, सीमा देवी, मोनू, युवराज, मन्नू, अंकुर, अर्पित उपाध्याय, अंकुश सिंह आदि शामिल रहे।

शिक्षकों ने 12 सूत्रीय मांगों को लेकर बीएसए कार्यालय पर दिया धरना





–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी पेंशन बहाली, टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने, पदोन्नति में टीईटी से छूट और लंबित स्थानांतरण सूची जारी करने समेत 12 सूत्रीय मांगों को लेकर बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने बीएसए कार्यालय परिसर में धरना दिया। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित धरने में बड़ी संख्या में शिक्षक एवं संघ पदाधिकारी शामिल हुए। शिक्षकों ने सरकार से मांगों का शीघ्र निस्तारण करने की आवाज बुलंद की। धरने के उपरांत मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार और बीएसए को सौंपा गया।

धरने को संबोधित करते हुए संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन लंबे समय से उनकी जायज समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। पुरानी पेंशन बहाली, टीईटी की अनिवार्यता से मुक्ति और पदोन्नति में टीईटी से छूट जैसे मुद्दे शिक्षकों के भविष्य और सम्मान से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को टीईटी के नाम पर परेशान करना उचित नहीं है। सरकार को शिक्षकों की सेवा सुरक्षा और अधिकारों का सम्मान करते हुए इन मांगों पर गंभीरता से निर्णय लेना चाहिए। संगठन शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा। जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि एसटीएफ जांच के नाम पर शिक्षकों का उत्पीड़न बंद किया जाए तथा स्थानांतरण पर लगी रोक हटाकर लंबित स्थानांतरण सूची जारी की जाए। ब्रिज कोर्स की परीक्षा से छूट देने के साथ पदोन्नति में टीईटी की बाध्यता समाप्त की जाए। इसके अलावा प्रोन्नति वेतनमान का लाभ देने, मृतक आश्रितों को शिक्षक पदों पर नियुक्ति करने की मांग की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का समाधान करना सरकार और विभाग की जिम्मेदारी है।

जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि शीतकालीन अवकाश में स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी करने, द्वितीय शनिवार का अवकाश तथा उपार्जित अवकाश देने की मांग लंबे समय से की जा रही है। सरकार को इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। धरने को मंगला मौर्या, मुकुल उपाध्याय, मुरलीधर वर्मा, राम प्यारे कन्नौजिया, डॉ अनूप सिंह, राम भवन, मो. असलम, वेद प्रकाश उपाध्याय, हरेंद्र यादव, रामसागर वर्मा, विवेक कान्त पाण्डेय, संजीव सिंह, बृजेश त्रिपाठी, डॉ गिरजेश चौधरी, अविनाश दूबे, सन्तोष पाण्डेय, शिवरतन, सन्तोष मिश्र, सुरेश गौड़, वीरेन्द्र शुक्ल, सनद पटेल, अखिलेश पाण्डेय, विजय भारती, समीउल्लाह अंसारी, आनन्द, अमित सिंह, दिनेश सिंह, शेषमणि, प्रवीन श्रीवास्तव, सुधीर तिवारी, बब्बन पाण्डेय, अश्वनी पाण्डेय आदि ने संबोधित किया। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार और विभाग ने 12 सूत्रीय मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो संगठन आंदोलन को और तेज करने के लिए बाध्य होगा। सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर में शिक्षकों के हितों की लड़ाई को मजबूती से जारी रखने का संकल्प लिया।

—मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा शिक्षकों का संघर्ष — चन्द्रिका सिंह

धरने में मुख्य रूप से अशोक यादव, संजय यादव, अनीस अहमद, राजीव सिंह, असद जमाल, विजय यादव, राजकुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार, कैलाश मौर्य, वितरंजन वर्मा, नीरज पाण्डेय विवेकानन्द, विशाल द्विवेदी, अभिषेक सिंह, प्रेमनरायन चौधरी, दुर्गेश सिंह, मानवेन्द्र त्रिपाठी, राजितराम, डॉ विनय पाण्डेय, पीयूष मिश्र, विनयराय, अवनीश पाल, राजू, घनश्याम, मनु प्रकाश, विचित्र प्रताप सिंह, अरूण पांडेय, प्रमोद पांडेय, गिरजेश कुमार सिंह, आशीष दूबे, चंद्रशेखर पाण्डेय, सोनिल, नवीन, रजनीश यादव, गौरव चौधरी, प्रदीप द्विवेदी, सुरेश सिंह, भीम, किरन , शारदा देवी , ज्योतसना बौद्ध, गीता सिंह, राजीव श्रीवास्तव, गिरजेश दूबे, देवेंद्र सिंह, विजय गिरी, महेंद्र चौधरी सहित हजारों की संख्या में लोग शामिल रहे।

पदोन्नति आदेश जारी न करने से शिक्षकों में रोषः 1 दिसम्बर से बीएसए कार्यालय पर होगा अनिश्चितकालीन धरना





–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पदोन्नति आदेश जारी न करने को लेकर शिक्षकों का आक्रोश गूंजा। संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि धरने के दौरान बीएसए ने 20 नवम्बर तक पदोन्नति आदेश जारी करने का आश्वासन दिया था किन्तु वे मुकर गये और ब्लाकों पर त्रुटि पूर्ण वरिष्ठता सूची भेजकर 23 और 25 नवम्बर को ब्लाक संसाधन केन्द्रों पर काउन्सिलिंग करने का निर्देश दे दिया। इससे पदोन्नति आदेश प्रक्रिया फिर उलझ गयी। शिक्षक इसे बर्दाश्त नही करेंगे। चेतावनी दिया कि यदि त्रुटि पूर्ण बनायी गयी वरिष्ठता सूची में सुधारकर जनपद स्तर पर काउन्सिलिंग कराकर पदोन्नित आदेश जारी न हुआ तो 1 दिसंबर से बीएसए कार्यालय पर होगा अनिश्चितकालीन धरना दिया जायेगा।

संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि वरिष्ठता सूची में अनेक त्रुटियां एवं विसंगतियां हैं, जिनका पूर्व में दिए गए आश्वासन के अनुरूप तत्काल निराकरण कर संशोधित सूची जारी की जाए। साथ ही शासनादेश एवं विभागीय सेवा नियमों के अनुसार पात्र शिक्षकों की वरिष्ठता एवं निर्धारित प्राथमिकता के आधार पर जूनियर हाईस्कूल प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक जूनियर हाईस्कूल तथा प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय के रिक्त पदों पर पारदर्शी एवं निष्पक्ष पदोन्नति नगर क्षेत्र के साथ सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ''30 नवंबर 2026 तक वरिष्ठता सूची का संशोधन करते हुए पदोन्नति आदेश जारी नहीं किए गए तो संगठन 1 दिसंबर 2026 से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, बस्ती पर अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा। संगठन शिक्षकों के सेवा संबंधी अधिकारों की रक्षा के लिए संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगा।

श्री शुक्ल ने बताया कि पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत संगठन द्वारा जनपद के सभी विकासखंडों में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा तथा ब्लॉकों का क्षेत्रीय सम्मेलनों की तिथियां घोषित की जाएंगी। उन्होंने जनपद के समस्त शिक्षकों से संगठन की एकजुटता बनाए रखने तथा शिक्षक हितों के इस महत्वपूर्ण संघर्ष में सहयोग करने का आवाहन किया।

बैठक में मुख्य जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ उपाध्याय आनन्द दूबे, संयुक्त मंत्री राजकुमार सिंह, सदर अध्यक्ष शैल कुमार शुक्ल, अम्बिका पाण्डेय ने कहा कि पदोन्नति आदेश जारी न करके बीएसए ने मामले को उलझा दिया है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। कहा कि शिक्षकों की एकजुटता से ही समस्या का समाधान होगा।

यह जानकारी देते हुये जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि प्रेस क्लब सभागार में हुई बैठक में मुख्य रूप से नरेन्द्र कुमार पाण्डेय, अमित कुमार पाण्डेय, पटेश्वरी निषाद, रजनीश मिश्रा, आनन्द प्रताप सिंह, आशुतोष पाण्डेय, अभिषेक उपाध्याय, अनिल कुमार, कैलाश नाथ, हरीश चौधरी, आशुतोष शुक्ला, विपिन कुमार शुक्ल, कृष्ण कुमार, अरविंद, सचिन शुक्ल, संतोष कुमार शुक्ल, बृजेश पाण्डेय, मुक्ति नाथ वर्मा, गिरजेश उपाध्याय, दिनेश कुमार, विनोद कुमार, हरिगंरा, विनोद कुमार यादव, विकास पाण्डेय, प्रदीप मिश्र, ओम प्रकाश पाण्डेय, स्कंद मिश्रा, दिवाकर सिंह, मुकेश कुमार, यशपाल सिंह, कन्हैयालाल, शिव शुक्ला, राजेश कुमार, मो. याकूब, विवेक कुमार शुक्ल, प्रणव मिश्रा, मो. सलाम, अंकार उपाध्याय, रघुवर दयाल, नरेन्द्र द्विवेदी, प्रेम शंकर वर्मा, पवन सिंह, दीपक कुमार, गौरव सिंह, अनूप सिंह, गौरव तिवारी, संतोष शुक्ला, मनोज मिश्र, रीता शुक्ला, रूसीला दिवाकर, वैभव कन्नौजिया, अभिराम वर्मा, रवीन्द्र नाथ, लालेन्द्र कन्नौजिया, राजकुमार पाल, राजीव कुमार पाण्डेय, विवेक उपाध्याय, कुलदीप कुमार त्रिपाठी, उपेन्द्र पाण्डेय, सुनील कुमार पाण्डेय, जनार्दन शुक्ल, बृद्धिराम यादव एवं रामप्रकाश यादव सहित संघ के अनेक पदाधिकारी, शिक्षक शामिल रहे।

—बीएएसए ने शिक्षकों से किया वादा खिलाफी— उदयशंकर शुक्ल

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 नवम्बर 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

क्वाड बैठकों के मायने

तेजी से बदलते भू–राजनीतिक परिदृश्य में भारत ने जिस तरह खुद को अलग–अलग मोर्चों पर संतुलन और सहयोग को प्राथमिकता देने वाले एक जिम्मेदार देश के रूप में सामने रखा है, उसके सकारात्मक नतीजे साफ देखे जा सकते हैं। गौरतलब है कि फिलीपींस की राजधानी मनीला में दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान शिखर सम्मेलन और इसके साथ ही आयोजित हो रहे क्वाड सम्मेलन के मौके पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा है, वह कई लिहाज से भारत की प्रभावशाली मौजूदगी दर्ज करता है।

आसियान के नेताओं से प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक स्वतंत्र, समावेशी और नियम–आधारित हिंद–प्रशांत क्षेत्र में विश्वास करता है तथा इसका भविष्य 'प्रतिस्पर्धा से नहीं, बल्कि सहयोग से' तय होना चाहिए। वहीं उच्चस्तरीय बैठक के बाद अपने साझा बयान में क्वाड देशों ने आतंकवाद की स्पष्ट निंदा के साथ–साथ किसी भी वैसी एकतरफा कार्रवाई का विरोध किया, जिससे क्षेत्रीय शांति और स्थिरता प्रभावित होती है। साथ ही खुले और सुरक्षित साइबर क्षेत्र के लिए मिलकर काम करने की बात कही।

जाहिर है, भारत का संकेत फिलहाल दुनिया भर में जारी उन तनाव, टकराव और संघर्षों की ओर है, जिसमें सहयोग के बजाय वर्चस्व कायम करने की मंशा से प्रतिस्पर्धा को एक प्राथमिक रास्ता माना जाने लगा है। खासतौर पर हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों को लेकर उभर रही चिंताएं किसी से छिपी नहीं हैं। इसलिए भारत ने अगर प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग को महत्त्व देने की बात कही है, तो इसके मायने स्पष्ट हैं।

हालांकि अलग–अलग असमान देशों के बीच अगर सहयोग की अनदेखी करके प्रतिस्पर्धा का तत्त्व हावी होता है, तो उसमें विकासशील और कमजोर देशों के लिए क्या जगह बचेगी, यह समझना मुश्किल नहीं है। इस लिहाज से देखें तो भारत का पक्ष एक स्वतंत्र और समावेशी वैश्विक दृष्टि की वकालत करता है, जिसमें कमजोर देशों के साथ सहयोग ही एक बेहतर विश्व के निर्माण की संभावना को मजबूत कर सकता है। यों भी भारत आसियान के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी को विशेष महत्त्व देता है और वैश्विक शांति तथा स्थिरता के साथ–साथ भविष्य को लेकर अनिश्चितता दूर करने के लिए मिलकर काम करने का हामी रहा है।

गौरतलब है कि आसियान को इस क्षेत्र के सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक माना जाता है। इसमें क्वाड देश यानी भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देश इसके संवाद साझेदार हैं। भारत की 'एक्ट–ईस्ट' नीति के तहत बीते कुछ वर्षों के दौरान भारत–आसियान के बीच सहयोग को नई मजबूती मिली है।

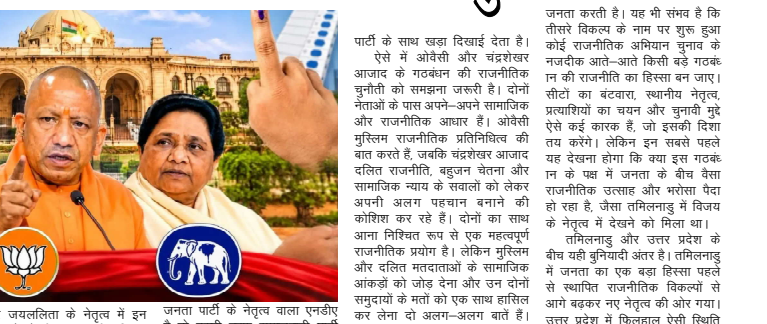
एआई की वैश्विक शृंखला

ऐसे वक्त में जब दुनिया में तकनीकी वर्चस्व वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के केंद्र में आ गया है, 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' के गहरे निहितार्थ और महत्व को समझना कठिन नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घोषणा पर अमेरिका और भारत सहित नौ अन्य विकसित देशों ने हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता इस बात पर जोर देता है कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बल पर ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वैश्विक आपूर्ति शृंखला को सुरक्षित किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर घोषणा का एक अधोहित उद्देश्य इस उभरती हुई नई प्रौद्योगिकी में चीन के निरंतर बढ़ते दबदबे का मुकाबला करना भी है। चीन ने एक सुनियोजित ढंग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में व्यापक और दीर्घकालीन निवेश किया है। इसमें दो राय नहीं कि उसकी उपलब्धियां अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने वाली हैं। यही वजह है कि अमेरिका ने 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' को हकीकत बनाने को प्राथमिकता दी है। अमेरिका दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका के चलते इस दौर को 'सुपर इंटेलिजेंस युग' का नाम देता है। अमेरिकी की 'पैक्स सिलिका' पहल एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करती है कि दुनिया का कोई भी देश अकेले बूते पर बेहद जटिल प्रक्रिया वाले एआई इकोसिस्टम की हर कड़ी को सुरक्षित नहीं कर सकता है। उदाहरण के तौर पर देखें तो महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर निर्माण से लेकर ऊर्जा नेटवर्क और डिजिटल बुनियादी ढांचे तक, तकनीकी प्रगति आपस में जुड़ी वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं पर निर्भर करती है। इस शृंखला में किसी भी तरह का अवरोध किसी भी देश के आर्थिक ढांचे को गहरे तक प्रभावित कर सकता है। दूसरे शब्दों में कहें तो इन नेटवर्कों में यदि किसी भी तरह का व्यवधान पैदा होता है तो उसके दूरगामी आर्थिक और भू–राजनीतिक दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं। जो किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिये, इस सुपर इंटेलिजेंस युग वाले दौर में तमाम चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

निश्चित रूप से 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' पर भारत का हस्ताक्षर करना एआई के दौर में हमारी उपलब्धियों की वैश्विक स्वीकार्यता का ही परिचायक है। भारत के लिए अमेरिका और अन्य विकसित देशों के साथ शामिल होना जहां एक ओर अच्छा रणनीतिक अवसर है, वहीं देश को जिम्मेदारियों का अहसास भी कराता है। भारत हालिया वर्षों में एक उभरते हुए टेक्नोलॉजी बाजार के रूप में सामने आया है। भारत की महत्वाकांक्षा वैश्विक सेमीकंडक्टर और मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की रही है। हाल के वर्षों में भारत ने आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और कई मध्यपूर्व के देशों के साथ मजबूत व्यापारिक साझेदारियां की हैं। जाहिर तौर पर ये विकसित व मजबूत आर्थिक देश जब कोई साझेदारी करते हैं तो उन्हें कुछ पाने की ही उम्मीद होती है। ऐसे में भारत इन मजबूत साझेदारियों, विभिन्न आपूर्ति शृंखलाओं, निवेश और उन्नत तकनीकों का बेहतर ढंग से लाभ उठा सकता है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि इन भरोसेमंद साझेदारों के साथ सहयोग करने से भारत पहले की तरह चंद देशों पर अत्यधिक निर्भरता कम कर सकता है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में एक देश पर निर्भर रहना आर्थिक संप्रभुता के लिये चुनौती बन सकती है।

तीसरे विकल्प की राजनीति और उत्तर प्रदेश का चुनावी मिजाज





—अखिल कुमार यादव—

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही राजनीतिक गठबंधनों और नए समीकरणों की कवायद तेज हो गई है। इसी क्रम में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने हाथ मिलाकर तीसरे राजनीतिक विकल्प के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश की है। दोनों नेताओं के इस गठबंधन ने प्रदेश की राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है। कोई इसे भाजपा और इंडिया गठबंधन के सामने तीसरी राजनीतिक धुरी के रूप में देख रहा है तो कोई इसे विपक्षी मतों के बिखराव की एक और कोशिश मान रहा है। सवाल यह है कि क्या उत्तर प्रदेश की जनता वास्तव में एक तीसरे विकल्प की तलाश में है या फिर यह कुछ राजनीतिक दलों की अपनी अलग पहचान और चुनावी हिस्सेदारी बढ़ाने की कवायद है?

दरअसल, तीसरे मोर्चे या तीसरे विकल्प की राजनीति भारतीय लोकतंत्र में कोई नई अवधारणा नहीं है। अलग–अलग राज्यों में समय–समय पर इस तरह के राजनीतिक प्रयोग होते रहे हैं। जब दो प्रमुख राजनीतिक दलों या गठबंधनों के बीच सीधा मुकाबला होता है, तब कुछ राजनीतिक दल अपने स्वतंत्र सामाजिक आधार, क्षेत्रीय प्रभाव और नेतृत्व के सहारे एक अलग राजनीतिक धुरी बनाने का प्रयास करते हैं। लेकिन तीसरे विकल्प की सफलता का इतिहास यह भी बताता है कि केवल कुछ दलों के एक मंच पर आ जाने से कोई नया राजनीतिक विकल्प स्थापित नहीं हो जाता। उसके लिए जनता के बीच व्यापक स्वीकार्यता, मजबूत संगठन, विश्वसनीय नेतृत्व और मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था से मोहभंग जैसी परिस्थितियों का होना भी जरूरी है। तीसरे विकल्प की राजनीति के पीछे एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई बार तीसरे मोर्चे का गठन जनता के बीच किसी नए राजनीतिक विकल्प की मांग से अधिक राजनीतिक दलों की अपनी परिस्थितियों और महत्वाकांक्षाओं का परिणाम होता है। जब दो स्थापित राजनीतिक गठबंधनों में छोटे दलों को पर्याप्त महत्व नहीं मिलता, सीटों के बंटवारे में उनकी अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं, नेतृत्व और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के अवसर सीमित हो जाते हैं अथवा बड़े दलों के साथ रहते हुए उनकी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान कमजोर पड़ने लगती है, तब वे अलग राजनीतिक मंच बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। कई बार बड़े गठबंधनों में अपनी राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए भी तीसरे विकल्प की संभावना को दबाव की रणनीति के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में तीसरा मोर्चा बनाना राजनीतिक दलों के लिए अपनी ताकत दिखाने, अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने और अपनी स्वतंत्र पहचान स्थापित करने का माध्यम बन जाता है। लेकिन यहां यह अंतर समझना जरूरी है कि राजनीतिक दलों की जरूरत से पैदा हुआ तीसरा मोर्चा और जनता की जरूरत से पैदा हुआ तीसरा विकल्प एक जैसी राजनीतिक घटनाएं नहीं हैं। पहला राजनीतिक परिस्थितियों और दलों की महत्वाकांक्षाओं से बनता है, जबकि दूसरा जनता के भरोसे और व्यापक जनसमर्थन से स्थापित होता है। किसी तीसरे मोर्चे की वास्तविक सफलता इसी बात से तय होती है कि वह राजनीतिक दलों की आपसी असहमति से आगे बढ़कर जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर पाता है या नहीं।

इस संदर्भ में तमिलनाडु का 2026 का विधानसभा चुनाव एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। वहां दशकों से द्रमुक और अन्नाद्रमुक राज्य की राजनीति के दो प्रमुख ध्रुव रहे हैं। करुणानिधि और जयललिता के नेतृत्व में इन दोनों दलों के बीच सत्ता की प्रतिस्पर्धा ने तमिलनाडु की राजनीति को एक विशिष्ट पहचान दी। इस दौरान कांग्रेस सहित कई छोटे दलों ने अलग–अलग समय पर अपनी स्वतंत्र राजनीतिक जमीन तलाशने और तीसरी ताकत बनने की कोशिश की, लेकिन लंबे समय तक राज्य की राजनीति इन्हीं दो प्रमुख ध्रुवों के आसपास घूमती रही। लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव में तस्वीर बदल गई। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने अपने पहले ही विधानसभा चुनाव में 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने का कारनामा किया। द्रमुक और अन्नाद्रमुक दोनों को पीछे छोड़ते हुए विजय ने सहयोगी दलों के समर्थन से सरकार बनाई। यह केवल किसी नए राजनीतिक दल की चुनावी सफलता नहीं थी, बल्कि स्थापित राजनीतिक व्यवस्था के प्रति मतदाताओं की बदलती मनोदशा का भी संकेत था। तमिलनाडु की जनता ने दोनों पुराने राजनीतिक ध्रुवों के विकल्प के रूप में एक नए नेतृत्व को स्वीकार किया। इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही था कि तीसरा विकल्प केवल राजनीतिक दलों के गठबंधन से नहीं बनता, बल्कि तब मजबूत होता है जब जनता खुद पुराने विकल्पों से आगे बढ़कर किसी नए नेतृत्व पर भरोसा जताती है।

अब इसी कसौटी पर उत्तर प्रदेश की राजनीति को देखना चाहिए। क्या यहां भी ऐसी परिस्थितियां बन रही हैं, जिनमें जनता भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी दोनों से विमुख होकर किसी तीसरे विकल्प की ओर बढ़ रही हो? फिलहाल ऐसा कोई व्यापक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के दो प्रमुख केंद्र स्पष्ट हैं। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला एनडीए है तो दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की विपक्षी राजनीति है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव ने प्रदेश की राजनीतिक तस्वीर को काफी हद तक स्पष्ट किया था। समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतकर प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में अपनी जगह बनाई, जबकि भाजपा को 33 सीटों पर सफलता मिली और कांग्रेस ने छह सीटें जीतीं। यह परिणाम केवल सीटों का आंकड़ा नहीं था, बल्कि इस बात का संकेत भी था कि भाजपा से असंतुष्ट मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा विपक्ष के पक्ष में अपना मत केंद्रित करने के लिए तैयार है। इस चुनाव में मतदाताओं ने यह भी दिखाया कि वे चुनावी परिस्थितियों और सत्ता परिवर्तन की संभावना को ध्यान में रखकर रणनीतिक मतदान कर सकते हैं।

यही उत्तर प्रदेश की राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। यहां भाजपा से नाराज मतदाताओं के सामने समाजवादी पार्टी एक स्थापित और व्यवहारिक राजनीतिक विकल्प के रूप में मौजूद है। अखिलेश यादव का नेतृत्व, समाजवादी पार्टी का प्रदेशव्यापी संगठन, पिछड़े वर्गों और दलितों के बीच राजनीतिक पहुंच तथा कांग्रेस के साथ विपक्षी गठबंधन की मौजूदगी उसे एक व्यापक राजनीतिक आधार प्रदान करती है। इसका अर्थ यह नहीं है कि समाजवादी पार्टी की जीत सुनिश्चित है या उसके सामने कोई चुनौती नहीं है। लेकिन इतना जरूर है कि भाजपा विरोधी मतदाताओं के बीच सत्ता परिवर्तन की संभावना का प्रमुख केंद्र फिलहाल समाजवादी पार्टी ही दिखाई देती है। जो मतदाता भाजपा से नाराज है, वह जरूरी नहीं कि किसी नए राजनीतिक गठबंधन की ओर देख रहा हो। उसका एक बड़ा हिस्सा भाजपा को चुनौती देने की क्षमता रखने वाली समाजवादी पार्टी के साथ खड़ा दिखाई देता है।

ऐसे में ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के गठबंधन की राजनीतिक चुनौती को समझना जरूरी है। दोनों नेताओं के पास अपने–अपने सामाजिक और राजनीतिक आधार हैं। ओवैसी मुस्लिम राजनीतिक प्रतिनिधित्व की बात करते हैं, जबकि चंद्रशेखर आजाद दलित राजनीति, बहुजन चेतना और सामाजिक न्याय के सवालों को लेकर अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों का साथ आना निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रयोग है। लेकिन मुस्लिम और दलित मतदाताओं के सामाजिक आंकड़ों को जोड़ देना और उन दोनों समुदायों के मतों को एक साथ हासिल कर लेना दो अलग–अलग बातें हैं। सामाजिक पहचान अपने आप में चुनावी मतदान की गारंटी नहीं होती। दलित मतदाता एकसमान राजनीतिक सोच नहीं रखता। इसी तरह मुस्लिम मतदाता भी किसी एक दल या नेता के प्रति स्थायी रूप से प्रतिबद्ध नहीं है। उत्तर प्रदेश में दलित राजनीति का अपना लंबा इतिहास रहा है और बहुजन समाज पार्टी का प्रभाव भी इस समीकरण को जटिल बनाता है। दूसरी ओर मुस्लिम मतदाताओं के सामने भी स्थानीय प्रत्याशी की क्षमता, चुनावी जीत की संभावना और भाजपा को सत्ता से बाहर करने की राजनीतिक प्राथमिकता जैसे सवाल महत्वपूर्ण रहते हैं। इसलिए यह मान लेना कि दोनों नेताओं के गठबंधन से स्वतः एक बड़ा और एकजुट मतदाता वर्ग तैयार हो जाएगा, राजनीतिक वास्तविकता का सरलीकरण होगा।

इस गठबंधन का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसका प्रभाव केवल इस आधार पर नहीं आंका जा सकता कि यह कितनी सीटें जीतता है। यदि कोई गठबंधन स्वयं बहुत कम सीटें जीतता है, लेकिन कुछ विधानसभा क्षेत्रों में उसके प्रत्याशी विपक्ष के निर्णायक मत काट देते हैं, तो उसका चुनावी प्रभाव काफी बड़ा हो सकता है। यही कारण है कि इस गठबंधन को केवल इंडिया गठबंधन के भीतर संभावित नुकसान और भाजपा को संभावित लाभ की बहस शुरू हो गई है। हालांकि, हर सीट पर वोटों का बंटवारा एक जैसा नहीं होता। कहीं यह गठबंधन विपक्ष के मतों को प्रभावित कर सकता है तो कहीं अपने स्वतंत्र सामाजिक आधार के सहारे नए मतदाताओं को भी जोड़ सकता है। इसलिए अभी से इसे किसी एक गठबंधन के लिए लाभकारी या नुकसानदायक घोषित करना जल्दबाजी होगी। राजनीति में किसी भी नए प्रयोग की सफलता का फैसला अंततः जनता करती है। यह भी संभव है कि तीसरे विकल्प के नाम पर शुरू हुआ कोई राजनीतिक अभियान चुनाव के नजदीक आते–आते किसी बड़े गठबंधन की राजनीति का हिस्सा बन जाए। सीटों का बंटवारा, स्थानीय नेतृत्व, प्रत्याशियों का चयन और चुनावी मुद्दे ऐसे कई कारक हैं, जो इसकी दिशा तय करेंगे। लेकिन इन सबसे पहले यह देखना होगा कि क्या इस गठबंधन के पक्ष में जनता के बीच वैसा राजनीतिक उत्साह और भरोसा पैदा हो रहा है, जैसा तमिलनाडु में विजय के नेतृत्व में देखने को मिला था।

तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के बीच यही बुनियादी अंतर है। तमिलनाडु में जनता का एक बड़ा हिस्सा पहले से स्थापित राजनीतिक विकल्पों से आगे बढ़कर नए नेतृत्व की ओर गया। उत्तर प्रदेश में फिलहाल ऐसी स्थिति दिखाई नहीं दे रही है। यहां भाजपा से असंतुष्ट मतदाताओं का झुकाव किसी नए तीसरे मोर्चे की बजाय समाजवादी पार्टी की ओर अधिक दिखाई देता है। इसलिए दोनों राज्यों के राजनीतिक प्रयोगों को एक ही तराजू पर तौलना उचित नहीं होगा। वहां जनता ने तीसरे विकल्प को स्वीकार किया था, जबकि उत्तर प्रदेश में फिलहाल तीसरा विकल्प बनाने की राजनीतिक कोशिश अधिक दिखाई दे रही है।

अंततः 2027 का विधानसभा चुनाव केवल राजनीतिक दलों के गठबंधनों की परीक्षा नहीं होगा, बल्कि मतदाताओं की राजनीतिक प्राथमिकताओं और रणनीतिक समझ की भी परीक्षा होगा। ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद का गठबंधन अपनी जगह एक लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रयोग है और उसे अपनी बात जनता तक पहुंचाने का पूरा अधिकार है। लेकिन यह मान लेना कि नया गठबंधन बनते ही उत्तर प्रदेश में तीसरी राजनीतिक धुरी स्थापित हो जाएगी, अभी वास्तविकता से दूर है। चुनाव से पहले राजनीतिक शोर बहुत होता है, लेकिन मतदान के समय जनता का फैसला अक्सर उन समीकरणों से अलग निकलता है, जिनकी चर्चा राजनीतिक गलियारों में सबसे अधिक होती है। उत्तर प्रदेश में फिलहाल मुकाबले की मुख्य धुरी भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए और समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाले विपक्ष के बीच दिखाई देती है। तीसरे विकल्प की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह इस राजनीतिक तस्वीर को कितना बदल पाता है। क्योंकि लोकतंत्र में विकल्प पैदा करने का अधिकार राजनीतिक दलों के पास जरूर है, लेकिन उस विकल्प को स्वीकार करने या नकारने का अंतिम अधिकार जनता के पास ही होता है।

अयोध्या के बाद मथुरा पर नजर, भाजपा की रणनीति या चुनावी मजबूरी





—अजय कुमार—

उत्तर प्रदेश की राजनीति में भाजपा ने 2027 की लड़ाई का बिगुल मथुरा से फूंका है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद अब कृष्ण जन्मभूमि को चुनावी विमर्श के केंद्र में लाने की कोशिश हो रही है। यह महज एक चिंतन बैठक नहीं, बल्कि उस राजनीतिक रणनीति का संकेत है जिसमें आस्था, जातीय समीकरण, संगठन और सत्ता की ताकत को एक साथ साधने की तैयारी है। सवाल यह है कि भाजपा मथुरा से विपक्ष को घेरना चाहती है या अपनी सरकार के सामने खड़े होते सवालों से जनता का ध्यान हटाना चाहती है? 16 और 17 नवंबर को मथुरा में हुई भाजपा की बैठक का समय और स्थान दोनों राजनीतिक संदेश दे रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी बताती है कि पार्टी 2027 को हल्के में नहीं ले रही। बैठक में कमजोर बूथों, नाराज कार्यकर्ताओं, संगठन और सरकार के बीच तालमेल तथा विपक्ष के पीडीए समीकरण की काट पर चर्चा की खबरें हैं। यानी भाजपा के भीतर भी यह एहसास है कि सत्ता में होना और चुनाव जीतना दो अलग–अलग बातें हैं। अगर सब कुछ उसके पक्ष में होता तो चुनाव से पहले संगठन को इतनी गंभीरता से दुरुस्त करने की जरूरत क्यों पड़ती? मथुरा की जमीन से उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का बयान आया 'अयोध्या हुई हमारी, अब मथुरा की बारी।' यह नारा राजनीतिक रूप से आकर्षक हो सकता है, लेकिन इसके भीतर कई सवाल छिपे हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह का विवाद अदालत में विचाराधीन है। ऐसे में किसी भी पक्ष को न्यायिक प्रक्रिया से ऊपर जाकर फैसला सुनाने का अधिकार नहीं है। मंदिर निर्माण की बात करना राजनीतिक अभिव्यक्ति हो सकती है, लेकिन अदालत के फैसले से पहले उसे चुनावी विजय की तरह पेश करना संवैधानिक मर्यादा को कमजोर करता है। आस्था का सम्मान जरूरी है, मगर आस्था के नाम पर कानून को चुनावी मंच की सीढ़ी नहीं बनाया जा सकता।

भाजपा की रणनीति साफ दिखाई देती है। अयोध्या का मुद्दा उसके लिए बड़ी राजनीतिक पूंजी बना। अब मथुरा के जरिए वह हिंदुत्व के भावनात्मक विस्तार की संभावना तलाश रही है। लेकिन क्या हर चुनाव में नया धार्मिक प्रतीक खड़ा करना ही विकास का विकल्प है? जनता को रोजगार, महंगाई, किसानों की आय, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर जवाब चाहिए। मंदिर की चर्चा इन सवालों को हमेशा के लिए दबा नहीं सकती। चुनावी मंच पर जयकारे गूंज सकते हैं, लेकिन घर का बजट बिगड़ने पर मतदाता का सवाल भी उतनी ही ताकत से उठता है। भाजपा के लिए चुनौती सिर्फ धार्मिक मुद्दे की नहीं, अखिलेश यादव की राजनीति की भी है। अखिलेश खुद को यदुवंशी बताते हैं और कृष्ण के प्रतीक को अपनी राजनीतिक पहचान से जोड़ते रहे हैं। महाभारत के रूपकों, सारथी की छवि और पीडीए की राजनीति के जरिए वह भाजपा के सामने वैचारिक चुनौती पेश करना चाहते हैं। राम और कृष्ण की तुलना पर धीरेंद्र शास्त्री के बयान के बाद अखिलेश की प्रतिक्रिया भी इसी राजनीतिक संवेदनशीलता को दिखाती है। भाजपा अगर कृष्ण जन्मभूमि को चुनावी मुद्दा बनाती है तो समाजवादी पार्टी के पास भी कृष्ण और यदुवंशी पहचान का अपना आख्यान है। इसलिए मथुरा की लड़ाई केवल मंदिर की नहीं, प्रतीकों पर राजनीतिक दावे की भी है। अखिलेश की असली चुनौती यह है कि वह कृष्ण के नाम को केवल यादव अस्मिता तक सीमित न रखें। पीडीए का मतलब पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों को एक साथ लाना है। यह सभीकरण तभी मजबूत होगा जब उसके साथ ठोस राजनीतिक कार्यक्रम और भरोसेमंद नेतृत्व दिखाई देगा। ब्राह्मणों को साधने के लिए कृष्ण–सुदामा की मित्रता का उदाहरण देना प्रतीकात्मक रूप से उपयोगी हो सकता है, लेकिन जातीय नाराजगी का समाधान केवल कथाओं से नहीं होगा। समाजवादी पार्टी को बताना होगा कि सत्ता में आने पर सामाजिक न्याय, कानून–व्यवस्था, रोजगार और शिक्षा के मोर्चे पर वह क्या बदलेगी। केवल भाजपा का विरोध करना चुनाव जीतने की गारंटी नहीं है।

2024 के लोकसभा चुनाव ने भाजपा को यह चेतावनी दे दी थी कि उत्तर प्रदेश में उसकी राजनीतिक जमीन अजेय नहीं है। राज्य में समाजवादी पार्टी ने 37 और भाजपा ने 33 सीटें जीतीं। कांग्रेस को छह सीटें मिलीं। फैजाबाद में भाजपा की हार ने अयोध्या के आसपास भी राजनीतिक असंतोष की संभावना उजागर की। यह परिणाम 2022 के विधानसभा चुनाव से अलग था, इसलिए दोनों की सीधी तुलना नहीं की जा सकती। लेकिन इतना जरूर स्पष्ट हुआ कि धार्मिक प्रतीक और राष्ट्रीय नेतृत्व होने के बावजूद स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार और सामाजिक समीकरण निर्णायक हो सकते हैं। भाजपा इस संदेश को समझती है, तभी मथुरा में बैठक के साथ बूथ और संगठन की चिंता भी सामने आई है। इसी बीच भाजपा ने प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर जन चौपाल लगाने की तैयारी की है। गोरखपुर से इसकी शुरुआत का कार्यक्रम है। दावा है कि इन चौपालों के जरिए जनता की समस्याएं सुनी जाएंगी और सरकारी योजनाओं का फीडबैक लिया जाएगा। यह पहल तभी सार्थक होगी जब चौपाल में जनता को बोलने दिया जाए, सिर्फ सरकार की उपलब्धियां गिनाने का मंच न बनाया जाए। किसान अगर गन्ने के भुगतान की बात करे, नौजवान भर्ती और रोजगार पूछे, महिला सुरक्षा पर सवाल उठाए और व्यापारी कारोबार की मुश्किल बताए तो क्या उन्हें ठोस जवाब मिलेगा? चुनाव से पहले जनता की सुनवाई का प्रदर्शन करना आसान है, पांच साल तक उसकी शिकायतों का समाधान करना मुश्किल। भाजपा समान नागरिक संहिता को भी 2027 के चुनावी एजेंडे में शामिल कर रही है। अमित शाह इसकी घोषणा कर चुके हैं कि सत्ता में वापसी पर इसे लागू किया जाएगा। पार्टी इसे समानता और एकरूपता का मुद्दा बताएगी, जबकि विपक्ष इसके स्वरूप और संभावित प्रभाव पर सवाल उठाएगा। लेकिन सरकार को स्पष्ट करना होगा कि कानून का मसौदा क्या होगा, किन प्रावधानों में बदलाव प्रस्तावित हैं और विभिन्न समुदायों की आशंकाओं का समाधान कैसे किया जाएगा। केवल घोषणा से न समानता स्थापित होती है, न सामाजिक सहमति बनती है।

दरअसल, मथुरा की बैठक भाजपा की ताकत से ज्यादा उसकी चुनावी बेचैनी भी दिखाती है। तीसरी बार सत्ता में लौटने का लक्ष्य है, लेकिन उसके सामने सत्ता विरोधी भावना, स्थानीय असंतोष और विपक्षी एकजुटता की चुनौती है।

कांग्रेस–सपा गठबंधन कितना कारगर



—संजय सक्सेना—

उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर होने वाली बैठक पर विराम लग गया है। राजनीतिक विश्लेषकों और विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दोनों दलों के बीच शुरुआती मांगों में बड़ा अंतर होने के कारण अंतिम सहमति बनने में अभी कुछ समय लग सकता है। इसकी वजह से दोनों के बीच कई बार बैठक टलने या गर्मागर्मी देखने को मिल सकती है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान इस बात की पुष्टि की कि कांग्रेस ने गठबंधन में 181 सीटों की मांग रखी है। वहीं, कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के बयानों के हवाले से बताया जा रहा है कि कांग्रेस ने 175 से 200 सीटों का प्रस्ताव रखा है। दूसरी ओर, अन्य मीडिया स्रोतों के मुताबिक, समाजवादी पार्टी जीतने की क्षमता के आधार पर कांग्रेस को केवल 60 से 70 या अधिकतम 75 से 80 सीटें ही देने पर विचार कर रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव की तारीखें करीब आने तक यह खींचतान जारी रह सकती है। गठबंधन की राजनीति में अक्सर पार्टियां शुरुआती दौर में अधिक सीटों की मांग रखती हैं, ताकि मोलभाव के बाद एक सम्मानजनक आंकड़े तक पहुंचा जा सके। इसलिए, अंतिम समझौते की घोषणा होने में अभी कुछ हफ्तों से लेकर महीनों तक का समय लग सकता है, क्योंकि दोनों दल अपने–अपने कैडर और स्थानीय नेताओं को संतुष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।

सवाल यह भी है कि दोनों के बीच समझौता टूटने की संभावना भी है या नहीं और सीटों का गणित क्या कहता है, यह जान लेना भी जरूरी है। इस बात पर राजनीतिक हलकों में अलग–अलग राय है कि क्या कांग्रेस को झुकना पड़ेगा या गठबंधन टूट भी सकता है। कई राजनीतिक जानकारों के विश्लेषणों के अनुसार, दोनों ही पार्टियां इस बात से वाकिफ हैं कि विपक्ष के वोटों का बंटवारा होने से उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए, शुरुआती मतभेदों के बावजूद दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व की ओर से गठबंधन बनाए रखने के संकेत दिए गए हैं। हालांकि, सीटों की संख्या को लेकर दोनों पक्षों के अपने–अपने तर्क हैं। समाजवादी पार्टी का पक्ष यह है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को केवल 2 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि सपा राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी है और उसका संगठनात्मक ढांचा काफी मजबूत है। इस आधार पर सपा 403 में से 320 से अधिक सीटों पर खुद चुनाव लड़ना चाहती है और कांग्रेस को 60 से 80 सीटों के दायरे में सीमित रखना चाहती है। इसके विपरीत, कांग्रेस का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उसके प्रदर्शन में सुधार हुआ है, जहां उसने राज्य की 6 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस आंतरिक रूप से कम से कम 100 से 125 सीटों की उम्मीद कर रही है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि दोनों दल किस बीच के रास्ते पर सहमत होते हैं, बजाय इसके कि किसी एक पक्ष के पूरी तरह झुकने की भविष्यवाणी की जाए।

फिर भी, अलग–अलग चुनाव लड़ने पर उत्तर प्रदेश की राजनीति पर क्या असर पड़ेगा, यह भी महत्वपूर्ण है। यदि किसी कारणवश समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बन पाती है और दोनों दल अलग–अलग चुनाव लड़ते हैं, तो इसका सीधा असर राज्य के चुनावी समीकरणों पर पड़ेगा।

ब्रह्मभोज से लौट रहे प्रधानाचार्य व कार चालक की हादसे में मौत



संवाददाता—कुशीनगर। जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के इंदरपुर स्थित दुर्गा मंदिर के पास मंगलवार की देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। देवरिया स्थित अपने भाई की ससुराल में आयोजित ब्रह्मभोज से लौट रहे महराजगंज के भिटौली क्षेत्र के निवासी प्रधानाचार्य व कार चालक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। क्रेन की टक्कर से कार के परखच्चे उड़ गए। भिटौली क्षेत्र के लक्ष्मीपुर देउरवा गांव निवासी नित्यानंद मणि त्रिपाठी जोखन मणि त्रिपाठी इंटर कालेज लक्ष्मीपुर देउरवा में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत थे। वे देवरिया स्थित अपने भाई की ससुराल में आयोजित ब्रह्मभोज में कार चालक उद्धव पांडेय के साथ मंगलवार को गए थे। वहां कार्यक्रम समाप्त होने के बाद दोनों देर रात घर लौट रहे थे। इसी दौरान कप्तानगंज–परतावल मार्ग पर इंदरपुर स्थित दुर्गा मंदिर के पास सामने से आ रही क्रेन ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद दोनों को क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकाला। आनन–फानन में दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज पहुंचाया गया। सीएचसी में डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल क्रेन को कब्जे में ले लिया है। प्रधानाचार्य नित्यानंद मणि त्रिपाठी की अचानक मौत की खबर मिलते ही लक्ष्मीपुर देउरवा गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिचित उनके घर पहुंचने लगे। विद्यालय परिवार में भी इस दुखद घटना से गहरा शोक व्याप्त है। इस संबंध में कप्तानगंज थानाध्यक्ष धीरेंद्र राय ने बताया कि दोनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाई की जा रही है। दुर्घटना में शामिल क्रेन को थाने लाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एथलीट अर्नव सिंह सम्मानित



संवाददाता—बहराइच। एथलीट अर्नव सिंह को बुधवार को कपूरथला स्थित उत्थान समागार में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। अर्नव ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं। एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, जिलाधिकारी राजेश पांडेय और मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता ने उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने अर्नव को आगे भी मेहनत और लगन से सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। अर्नव फखरपुर ब्लॉक के ग्राम सराय अली के रहने वाले हैं। वह नगर स्थित महाराज सिंह इंटर कॉलेज में कक्षा नौ के छात्र हैं। उनके पिता अश्वनी कुमार सिंह किसान हैं और मां लक्ष्मी सिंह गृहिणी हैं। अर्नव ने चेन्नई में हुई 41वीं राष्ट्रीय प्रतियोगिता के अंडर–16 पेंटाथलॉन में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। उत्तराखंड में हुई 37वीं नॉर्थ जोन जूनियर चौंपियनशिप में भी उन्होंने पेंटाथलॉन में स्वर्ण पदक हासिल किया। हाल ही में मध्य प्रदेश के शिवपुरी में हुई 70वीं एसजीएफआई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अर्नव ने टीम के साथ 4–400 मीटर रिले दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक जीता। समारोह में अर्नव ने कहा कि उनका सपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए पदक जीतना है। उन्होंने कहा कि वह अपनी उपलब्धियों से गांव और जिले का नाम दुनिया में रोशन करना चाहते हैं। कार्यक्रम में एथलेटिक्स संघ के सचिव अटल सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

अक्षय नवमी पर झालीधाम में परिक्रमा में को उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता—गोण्डा। झालीधाम आश्रम में बुधवार को कार्तिक शुक्ल पक्ष अक्षय नवमी के अवसर पर परिक्रमा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पौराणिक झालीधाम आश्रम के महंत नरसिंह दास महाराज की अगुवाई में प्रातः दस बजे भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण व हनुमान की पूजा– अर्चना तथा आरती के उपरांत स्वामी राम मिलन दास की समाधि पर पुष्प अर्पित करने के उपरांत पांच किलोमीटर की परिक्रमा शुरू हुआ।खरगूपुर नगर पंचायत सहित आस–पास के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ ही श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच जिलों से आये बड़ी संख्या में महिला–पुरुष श्रद्धालु परिक्रमा में शामिल हुए। परिक्रमा में शामिल श्रद्धालु श्रीराम, जय राम, जय–जय राम का उद्घोष करते रहे।

इस दौरान भगवान राम, लक्ष्मण, हनुमान की झांकी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। परिक्रमा एवं मेला का समापन भव्य भंडारे के उपरांत हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधायक विनय कुमार द्विवेदी, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री आशीष त्रिपाठी, ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश तिवारी, संतोष शुक्ल, महेंद्र तिवारी, सूरज शुक्ल, संजीव गुप्ता ,धर्मेंद्र मिश्र, अरविन्द तिवारी, आदि रहे।सुरक्षा व्यवस्था में प्रभारी निरीक्षक दुर्गा प्रसाद पुलिस कर्मियों के साथ मौजूद रहे।

अतिथि सेवा हमारा परम कर्तव्य —स्वामी दिलीप दास



—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। रामनगरी में 14 कोसी परिक्रमा में श्री रघुवंश संकल्प सेवा ट्रस्ट अयोध्याधाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी दिलीप दास त्यागी महाराज के संयोजन में लवकुश नगर स्थित 14 कोसी परिक्रमा मार्ग पर सेवा शिविर लगाया गया। शिविर में परिक्रमार्थियों को श्रद्धापूर्वक छोले–चावल का प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं को जल पिलाकर उनकी सेवा की गई।इस अवसर पर स्वामी दिलीप दास त्यागी महाराज ने कहा कि अतिथि सेवा हमारा परम कर्तव्य है। सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में देश के कोने–कोने से श्रद्धालु दर्शन और परिक्रमा के लिए आते हैं। ये सभी हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम के भक्त हैं और हम उनके सेवक हैं। ऐसे में रामभक्तों की सेवा करना, उनकी सुख–सुविधा का ध्यान रखना और उनकी यात्रा को सुगम बनाना संत समाज का दायित्व है। उन्होंने कहा कि अयोध्या आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु हमारे लिए अतिथि ही नहीं, बल्कि आराध्य का भक्त है। उसकी सेवा और सम्मान में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।उन्होंने बताया कि अक्षय नवमी के अवसर पर चावल यानी अक्षत का विशेष धार्मिक महत्व है। इसी मान्यता के अनुरूप 14 कोसी परिक्रमा में श्रद्धालुओं को छोले–चावल का प्रसाद वितरित किया गया।

आगामी पंचकोसी परिक्रमा के दौरान भी ट्रस्ट की ओर से सेवा शिविर लगाया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं को चाय, दवा और फलाहार उपलब्ध कराया जाएगा।शिविर के आयोजन में महंत धर्मदास प्रेरणास्रोत रहे। खड़ेश्वरी मंदिर के महंत रामप्रकाश दास, पुजारी राजेंद्र दास, पुजारी रामकिशोर दास, व्यवस्थापक रामरतन साहनी सहित दर्जनों सेवाभावी लोगों ने सहयोग प्रदान किया।

घर में सो रहे बुजुर्ग पर तेंदुए का हमला, सिर और कंधे में जख्म



संवाददाता—बहराइच। कतर्नियाघाट वन रेंज के चहलवा ग्राम पंचायत अंतर्गत चमन चौराहा गांव में बुधवार रात घर में सो रहे 65 वर्षीय बुजुर्ग पर तेंदुए ने हमला कर दिया। परिजनों के शोर मचाने पर तेंदुआ उन्हें छोड़कर सरयू नहर की ओर भाग गया। हमले में बुजुर्ग के सिर और कंधे पर गहरे जख्म हुए हैं। गांव निवासी भिरघू (65) रात घर में सो रहे थे। बुधवार भोर में करीब 3रू30 बजे तेंदुआ घर में पहुंचा और उन पर हमला कर दिया। बुजुर्ग के शोर मचाने पर परिवार के अन्य लोग जाग गए और शोर मचाने लगे। इस पर तेंदुआ उन्हें छोड़कर नहर की ओर भाग गया।

परिजन घायल भिरघू को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुजौली ले गए। वहां से उन्हें सीएचसी मिहींपुरवा रेफर कर दिया गया। एंबुलेंस के ईएमटी मनमोहन वर्मा और पायलट विजय कुमार ने बताया कि घायल को ले जाते समय तेंदुआ एंबुलेंस के सामने आ गया। वह सड़क पार कर नहर किनारे झाड़ियों में चला गया। सूचना पर रेंजर आशीष गौड़ ने बताया कि वन रक्षक कौशल किशोर सिंह और वाचर अमरजीत को मौके पर भेजा गया, पगचिन्हों से तेंदुए के हमले की पुष्टि हुई है। वनकर्मी घायल को उपचार के लिए सीएचसी मिहींपुरवा ले गए। ग्रामीण राजू रेसर और प्रधान प्रतिनिधि प्रीतम निषाद ने बताया कि तेंदुआ आए दिन गांव के आसपास दिखाई दे रहा है। उन्होंने वन विभाग से गांव में पिंजरा लगवाने की मांग की है।

12 मांगों को लेकर बीएसए कार्यालय पर शिक्षकों का धरना, प्राथमिक शिक्षक संघ ने ज्ञापन सौंपा

संवाददाता—देवरिया। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ ने बुधवार को अपनी 12 सूत्रीय मांगों को लेकर बीएसए कार्यालय के बाहर धरना दिया। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चले प्रदर्शन में शिक्षकों ने विभाग और सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। इसके बाद बीएसए को ज्ञापन सौंपकर मांगों के समाधान की मांग की। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो लखनऊ में आंदोलन किया जाएगा। संघ के जिलाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं पर विभाग और सरकार ध्यान नहीं दे रहे हैं। बार–बार मांग उठाने के बावजूद उनका समाधान नहीं हो रहा है।

उन्होंने कहा– सरकार ने शिक्षकों और उनके आश्रितों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा शुरू की है, जिसका संघ स्वागत करता है। हालांकि, कई अन्य मांगें अब भी लंबित हैं। शिक्षकों ने एक अप्रैल 2005 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की। साथ ही एक अप्रैल 2005 से पहले चयनित, लेकिन बाद में कार्यभार ग्रहण करने वाले शिक्षकों



को भी पुरानी पेंशन का लाभ देने की मांग रखी। शिक्षकों ने 27 जुलाई 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता का प्रभाव खत्म कराने के लिए केंद्र सरकार से कानून बनाने की मांग की। इसके अलावा सभी शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की एसटीएफ से जांच कराने के आदेश पर रोक लगाने की मांग भी उठाई। शिक्षकों ने प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों के रिक्त पदों पर पदोन्नति करने और गैर–टीईटी उत्तीर्ण शिक्षकों को भी पदोन्नति का अवसर देने की मांग की। वर्ष 2020 में नियुक्त शिक्षकों के ब्रिज कोर्स की परीक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक की अनिवार्यता खत्म करने और लंबित अंतर्जनपदीय स्थानांतरण सूची जारी करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। शिक्षकों ने 12 साल की सेवा पूरी करने वालों को प्रोन्नत वेतनमान देने, मृतक शिक्षकों के योग्य आश्रितों को नौकरी देने और विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति करने की मांग की। इसके साथ ही द्वितीय शनिवार को अवकाश और उपार्जित अवकाश की सुविधा देने की मांग भी रखी।

डीएम ने समस्याएं सुनकर अधिकारियों को दिए निस्तारण के निर्देश

संवाददाता—श्रावस्ती। जिलाधिकारी मनोज कुमार राय ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन के दौरान फरियादियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 21 शिकायतें प्राप्त हुईं।जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्यवाही की जाए। जनता दर्शन में प्राप्त अलग–अलग मामलों से जुड़े प्रार्थना पत्रों को संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को संदर्भित करते हुए डीएम ने शीघ्र कार्रवाई करने को कहा। साथ ही शिकायतों का तत्काल निराकरण कर उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। इसमें लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

श्री सेवा संस्थान ने शिविर लगाकर परिक्रमार्थियों की किया सेवा



—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। 14 कोसी परिक्रमा मेले में देश के विभिन्न प्रांतों से आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा और सुविधा के उद्देश्य से श्री सेवा संस्थान की ओर से निशुल्क दवा वितरण एवं विश्राम स्थल शिविर की स्थापना की गई। शिविर का भव्य उद्घाटन अयोध्या के प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने संस्थान के अध्यक्ष आशुतोषानंद त्रिपाठी की अध्यक्षता में किया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के महासचिव आंकारनाथ पांडेय ने किया।उद्घाटन अवसर पर प्रथम महापौर ने फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया। इसके बाद हनुमानजी के चित्र पर विधि–विधान से पूजन–अर्चन कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। संस्थान के अध्यक्ष आशुतोषानंद त्रिपाठी ने उपस्थित अतिथियों का माल्यार्पण कर अंगवस्त्र भेंट करके स्वागत एवं अभिनंदन किया।इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि परिक्रमा मेले में लाखों श्रद्धालु लंबी दूरी तय करके अयोध्या पहुंचते हैं, ऐसे में उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सहायता, दवा और विश्राम की सुविधा उपलब्ध कराना पुनीत कार्य है। सेवा के ऐसे आयोजन श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम बनाने के साथ सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं।कार्यक्रम में भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष मुकेश तिवारी, वरिष्ठ नेता विशाल मिश्रा, पार्षद अंकित त्रिपाठी, पार्षद महेंद्र शुक्ला, महानगर महामंत्री परमानंद मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता बद्री प्रसाद पांडेय, संस्थान के मंत्री बृजेंद्र श्रीवास्तव, प्रवक्ता रमाशंकर तिवारी एडवोकेट सहित विनय पांडेय, रवि मिश्रा, संजय कृष्ण श्रीवास्तव, सूबेदार तिवारी, रविंद्र श्रीवास्तव, संतोष द्विवेदी, गोपाल कृष्ण पांडेय, आचार्य रणंजय पांडेय और मदन सिंह उपस्थित रहे।इस दौरान संस्थान के संरक्षक शैलेंद्र मणि पांडेय, माधवानंद त्रिपाठी, हरिप्रसाद पांडेय, धर्मवीर द्विवेदी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। संस्थान के संरक्षक एवं नगर निगम अयोध्या के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी की भी उपस्थिति रही।

अक्षय नवमी पर झारखंडी मंदिर से निकली भव्य नगर परिक्रमा



संवाददाता—बलरामपुर। अक्षय नवमी के पावन पर्व पर बुधवार को नगर में श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति का अनुपम संगम देखने को मिला। प्राचीन झारखंडी मंदिर से विधि–विधान के साथ पूजा–अर्चना कर भव्य नगर परिक्रमा यात्रा निकाली गई। धार्मिक उल्लास और उत्साह के बीच शुरू हुई इस यात्रा में हजारों महिला, पुरुष और युवाओं ने शामिल होकर नगर की सुख–समृद्धि और मंगलकामना के लिए आस्था की परिक्रमा की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा। नगर परिक्रमा का शुभारंभ सदर विधायक पल्टूराम, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू, सभासद संजय मिश्रा व कार्याध्यक्ष डॉ. तुलसीदा दूबे सहित अन्य गणमान्य लोगों ने मंदिर में पूजन–अर्चन के बाद ध्वज दिखाकर किया। मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान के बाद जैसे ही परिक्रमा यात्रा आगे बढ़ी, श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। बड़ी संख्या में लोग पूरे श्रद्धाभाव के साथ यात्रा में शामिल हुए। महिलाओं और युवाओं की भागीदारी भी विशेष रूप से दिखाई दी। नगर परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह रहा। जगह–जगह धार्मिक आस्था और उल्लास का माहौल नजर आया। लोगों ने इस आयोजन को नगर की पुरानी धार्मिक परंपरा और सामूहिक आस्था का महत्वपूर्ण अवसर बताया। जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की सहभागिता ने भी आयोजन की गरिमा बढ़ाई। विधायक पल्टूराम ने कहा कि अक्षय नवमी सनातन धर्म में अत्यंत पुण्यदायी और विशेष महत्व रखने वाला पर्व है। इस दिन धार्मिक अनुष्ठान, पूजा–अर्चना और परिक्रमा का विशेष महत्व माना जाता है। नगर परिक्रमा जैसी परंपराएं नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक मूल्यों से जोड़ने का माध्यम हैं। ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव, एकता और सामाजिक समरसता की भावना को भी मजबूत करते हैं। नपाध अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि झारखंडी मंदिर से निकलने वाली यह परिक्रमा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि नगर की सांस्कृतिक पहचान और सनातन परंपराओं के प्रति लोगों की अटूट आस्था का प्रतीक है। मंदिर के प्रधान पुजारी सोनू गिरि, प्रीतपाल सिंह, अधिवक्ता राजकुमार श्रीवास्तव, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डीपी सिंह बैस, अविनाश मिश्र, रविंद्र गुप्ता कमलापुरी, डॉ. देवेश श्रीवास्तव, डॉ. राकेश श्रीवास्तव, बाबादीन, संगठन मंत्री निशांत चौहान, अंबरीश शुक्ल सहित हजारों श्रद्धालु और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अक्षय नवमी पर निकली नगर परिक्रमा ने एक बार फिर बलरामपुर की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत की। झारखंडी मंदिर से शुरू हुई इस यात्रा में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। खास बात यह रही कि आयोजन में महिलाओं, पुरुषों और युवाओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। एक साथ हजारों लोगों का धार्मिक आयोजन में शामिल होना सामाजिक एकता और सामूहिक आस्था का संदेश देता नजर आया। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पर्व और धार्मिक परंपराएं केवल पूजा–पाठ तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये समाज को जोड़ने का भी काम करती हैं। नगर परिक्रमा के माध्यम से लोगों को अपनी जड़ों, धार्मिक मान्यताओं व सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर मिलता है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी में भी परंपराओं के प्रति सम्मान और संस्कारों का भाव विकसित होता है।

झारखंडी मंदिर से निकली अक्षय नवमी की नगर परिक्रमा में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। सदर विधायक पल्टूराम और नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने अन्य अतिथियों के साथ मंदिर में पूजन–अर्चन कर यात्रा का शुभारंभ किया। ध्वज दिखाकर श्रद्धालुओं को रवाना करने के साथ उन्होंने धार्मिक आयोजन में अपनी सहभागिता निभाई। इस अवसर पर मंदिर के प्रधान पुजारी सोनू गिरी सहित विभिन्न सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की मौजूदगी रही। आयोजन में शामिल लोगों ने कहा कि धार्मिक कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों और समाज के सभी वर्गों की भागीदारी से आपसी सहयोग और सद्भाव की भावना मजबूत होती है। नगर की धार्मिक पहचान को बनाए रखने में ऐसे सामूहिक आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या ने आयोजन को विशेष स्वरूप प्रदान किया।

रेफर के बाद रास्ते में महिला की मौत, परिजनों ने अस्पताल में किया हंगामा



संवाददाता—महराजगंज। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के पिपरपाती स्थित एक निजी अस्पताल से रेफर की गई महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। ग्राम रामपुर चकिया निवासी बंधु सिंह की पत्नी शकुंतला देवी (60) को मंगलवार को इस अस्पताल में सीने में दर्द व सांस लेने की परेशानी के बाद लाया गया था। हंगामें की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार शकुंतला देवी को सोमवार की रात में सीने में दर्द और सांस लेने में परेशानी हुई। मंगलवार की सुबह उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में मरीज का समुचित इलाज नहीं हो रहा था। वे कल से ही मरीज को बड़े सेंटर में रेफर करने का अनुरोध कर रहे थे, लेकिन आरोप है कि उसे रेफर करने में देरी की गई। यह भी आरोप है कि मरीज का इलाज बिना ऑक्सीजन के किया जा रहा था, जिससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई। बुधवार की सुबह अस्पताल से मरीज को रेफर कर दिया गया। परिजन उसे निजी वाहन से गोरखपुर मेडिकल कॉलेज लेकर जा रहे थे, तभी रास्ते में ही महिला की मौत हो गई। परिजन महिला को लेकर गोरखपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर फिर अस्पताल पर पहुंचे और डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस और श्यामदेउरवा थाने में भी जानकारी दी। मौके पर पहुंची श्यामदेउरवा पुलिस ने अस्पताल के डॉक्टर से पूछताछ शुरू की और परिजनों को समझाना शुरू किया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाह रही थी, परंतु परिजन अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर शव देने से इनकार करने लगे। काफी देर तक चले समझाने–बुझाने के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की छह बेटियां व एक बेटा है। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी अस्पताल पर पहुंच रहे थे।

सात्विक यज्ञ एवं सत्संग में गूंजे कबीर के विचार

संवाददाता—बलरामपुर। थाना ललिया क्षेत्र के ग्राम करमैती में कबीरपंथियों की ओर से सात्विक यज्ञ (आनंदी चौका–आरती) पूजन एवं सत्संग का आयोजन किया गया। मकुनहवा कुटी आश्रम के महंत सत्य प्रकाश साहेब यज्ञकर्ता के रूप में शामिल हुए। इस दौरान संत–महंतों ने कबीर साहेब की वाणी और विचारों के माध्यम से श्रद्धालुओं को सत्य, प्रेम, सद्भाव और मानवता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रवचन में महंत सत्य प्रकाश साहेब ने कहा कि कबीर साहेब की शिक्षाएं समाज को जाति–पाति, ऊंच–नीच और धार्मिक आडंबर से ऊपर उठकर समानता एवं मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। ईश्वर की सच्ची भक्ति बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि निर्मल मन, अच्छे आचरण और सत्कर्मों में निहित है।

महंत प्रदीप साहेब ने सहज भक्ति और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। वहीं महंत मंशाराम साहेब ने प्रेम, एकता और भाईचारे पर जोर दिया। महंत समयदीन साहेब ने गुरु महिमा और सत्संग के महत्व को बताया। देर रात तक चले कार्यक्रम में कबीर साहेब के भजनों से पंडाल भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर कमलेश साहेब, पंकज साहेब, कामेश्वर नाथ साहेब, हरिश्चंद्र दास, भूपेंद्र, बसावन दास, रामबरन, रामसागर, राधेश्याम, रामचंद्र, जगप्रसाद, शिवशंकर और तेज प्रकाश सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

हरजीत कौर मेमोरियल और अवध मीडिया सेंटर ने किया श्रद्धालुओं की सेवा



—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। 14 कोसी परिक्रमा में श्रद्धालुओं की सेवा के लिए ब्रह्मकुंड गुरुद्वारा के निकट हरजीत कौर मेमोरियल सेवा संस्थान और अवध मीडिया सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। संस्थान के अध्यक्ष गुरबीर सिंह सोढ़ी और अवध मीडिया सेंटर के निदेशक अंकुर पांडेय के नेतृत्व में आयोजित शिविर में परिक्रमार्थियों को भोजन प्रसाद वितरित किया गया।मुख्य अतिथि समाजसेवी संस्था अयोध्या धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव ने कहा कि देशभर से रामनगरी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करना हम सभी का सौभाग्य है। सेवा का भाव धर्म, जाति और वर्ग से ऊपर है। उन्होंने बताया कि संस्था की ओर से परिक्रमा मार्ग पर 12 स्थानों पर भंडारे आयोजित कर श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद वितरित किया गया। सनातन रक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुंद माधव ने कहा की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और यह सनातन में ही संभव है।इस मौके पर सनातन रक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुंद माधव त्रिपाठी, रामजस मांझी, राजेश महाराज, ज्ञानी गुरजीत सिंह, महंत बलजीत सिंह, सुखबीर सिंह, चरणजीत सिंह, नवनीत कौर, ज्योति सिंह, सोमिया निषाद और दुर्गा मांझी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुठभेड़ में बिल्लू इंदौरिया गैंग का बदमाश वाहिद अंसारी ढेर, इलाज के दौरान मौत



संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के शिवबाबा बैरियर पर मंगलवार देर रात चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से गाजीपुर निवासी बदमाश वाहिद घायल हो गया। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वाहिद बिल्लू इंदौरिया गैंग का सदस्य था और सुपारी किलिंग के लिए कुख्यात था। उसका साथी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर भाग गया। बदमाशों की फायरिंग में अकबरपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह और स्वाट टीम के मुख्य आरक्षी सोनू यादव घायल हो गए। वहीं, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह और सर्विलांस प्रभारी विनोद यादव की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोली लगी। पुलिस के मुताबिक, 17 और 18 नवंबर की मध्यरात्रि शिवबाबा बैरियर पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान अहिरौली की तरफ से पल्सर बाइक पर सवार दो संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो पीछे बैठे बदमाश ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। इसमें प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह के बाएं हाथ में गोली लग गई।

इसके बाद दोनों बदमाश बाइक से शिवबाबा मैदान की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा करते हुए उन्हें आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन बदमाशों ने फायरिंग जारी रखी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वाहिद घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। दूसरा बदमाश मौके से भाग निकला। पुलिस ने मौके से तीन .32 बोर की पिस्टल, एक नो एम्एम कार्बाइन, सात .315 बोर के तमंचे, छह खोखा कारतूस और 24 जीवित कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा बिना नंबर प्लेट की घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक भी मिली है। मामले में अकबरपुर कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 651/26 के तहत बीएनएस की धारा 109(1) और आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मृतक वाहिद पुत्र अबु बकर गाजीपुर जिले के बहरियाबाद थाना क्षेत्र का निवासी था। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ आजमगढ़, गाजीपुर, सुल्तानपुर, वाराणसी, गौतमबुद्धनगर और चंदौली में कुल 35 मुकदमे दर्ज थे। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, रंगदारी, चोरी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट के मामले शामिल हैं। वर्ष 2014 से 2023 तक उसके खिलाफ अलग–अलग थानों में मुकदमे दर्ज हुए थे। एसपी समेत 12 पुलिसकर्मी थे टीम में शामिल मुठभेड़ के दौरान पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के साथ 12 पुलिसकर्मी शामिल थे। इनमें पीआरओ निरीक्षक जितेंद्र सिंह, अकबरपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक आदर्श कुमार सिंह, रामप्रताप वर्मा और विनोद यादव समेत स्वाट और सर्विलांस सेल के पुलिसकर्मी शामिल रहे। बदमाशों की फायरिंग में प्रभारी निरीक्षक और मुख्य आरक्षी सोनू यादव को गोली लगी, जबकि एसपी और सर्विलांस प्रभारी की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोली लगी। फरार बदमाश की तलाश की जा रही है।

सीएम ग्रिड्स के तहत शहर की पांच प्रमुख सड़कों का होगा कायाकल्प

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (सीएम ग्रिड्स) फेज–3 के तहत महानगर की पांच प्रमुख सड़कों का कायाकल्प होगा। इन सड़कों का चौड़ीकरण करने के साथ आधारभूत सुविधाओं को और भी बेहतर किया जाएगा। बुधवार को नगर आयुक्त अजय जैन ने प्रस्तावित मार्गों का निरीक्षण कर सड़क की चौड़ाई, यातायात दबाव और अतिक्रमण की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्थानीय जरूरतों और भविष्य के यातायात दबाव को ध्यान में रखकर विकास की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। सीएम ग्रिड्स के तहत गणेश चौराहे से विश्वविद्यालय चौराहा और अलंकार ज्वेलर्स से जिलाधिकारी आवास होते हुए हरिओमनगर तिराहे तक सड़क का विकास प्रस्तावित है। वहीं कचहरी चौराहे से शास्त्री चौक होते हुए बेतियाहाता चौराहे तक, बेतियाहाता से टीडीएम तिराहा होते हुए एनएच–28 तक, ट्रांसपोर्टनगर से रैन बसेरा रोड होते हुए एनएच–28 तक मार्ग का उन्नयन किया जाएगा। टीडीएम तिराहे से पांडेयहाता पुलिस चौकी होते हुए हर्बर्ट बांध और अलहदादपुर तिराहे से रायगंज होते हुए घंटाघर तक भी विकास कार्य प्रस्तावित हैं। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कहा कि सड़क विकास को केवल निर्माण तक सीमित न रखा जाए, बल्कि यातायात सुगमता और नागरिक सुविधाओं को ध्यान में रखकर योजना बनाई जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय से औपचारिकताएं पूरी करने को कहा। निरीक्षण में मुख्य अभियंता अमित शर्मा, अधीक्षण अभियंता अशोक कुमार भाटी, अवर अभियंता शोभित शेखर, अवनीश भारती आदि अधिकारी मौजूद रहे।

विपक्ष हार की हताशा में बयानबाजी कर रहा –पंकज चौधरी



संवाददाता–अयोध्या। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े बुधवार को अयोध्या पहुंचे। एयरपोर्ट पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं का स्वागत किया। वहीं, विनोद तावड़े ने एक निजी होटल में विधानसभा चुनाव के टिकट दावेदारों और पदाधिकारियों के साथ बैठक कर राजनीतिक समीकरणों का फीडबैक लिया। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के च्च। को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के मन में एक पीडीए है और वोटों की राजनीति के लिए अलग च्च। है। विपक्ष जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहा है। भाजपा जनता के बीच अपने काम और नीतियों के आधार पर जा रही है। इसके बाद पंकज चौधरी बस्ती के लिए रवाना हो गए। अयोध्या पहुंचने के बाद प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने एक निजी होटल में पार्टी के टिकट दावेदारों और पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अलग–अलग विधानसभा क्षेत्रों के दावेदारों से मुलाकात कर उनकी बात सुनी। पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन और उसके कारणों पर चर्चा की। सामाजिक समीकरणों, जातीय प्रभाव और स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियों का फीडबैक लिया। बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी चुनाव की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। तावड़े ने पदाधिकारियों से जमीनी स्थिति की जानकारी ली और मतदाता जोड़ो अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिक से अधिक नए मतदाताओं को अभियान से जोड़ने और संगठनात्मक गतिविधियां तेज करने के निर्देश दिए। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने पर भी जोर दिया। एयरपोर्ट पर स्वागत करने वालों में प्रदेश महामंत्री एवं क्षेत्रीय प्रभारी अभिजात मिश्र, गोरखपुर क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, परमानंद मिश्र, शिवम शुक्ला, स्वप्निल श्रीवास्तव और रवि सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

छत के रास्ते घर में चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के पड़ौली चौराहे पर छत के रास्ते घर में घुसकर नकदी, सोने की चेन और सिगरेट चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो युवकों और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 7330 रुपये नकद और पांच पैकेट सिगरेट बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी चंद्र प्रकाश पांडेय ने बताया कि बुधवार रात करीब 1:50 बजे उपनिरीक्षक अर्पित मिश्रा ने पुलिस टीम के साथ पडौली चौराहे से मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते पर घेराबंदी कर तीनों को पकड़ा। उनकी पहचान सन्नी पाल (25) निवासी परसा उर्फ अगिलहवा, सूरज यादव (25) निवासी पड़ेरिया और 15 वर्षीय बाल अपचारी शिवांश उर्फ काले के रूप में हुई है। आरोपियों ने एक घर से 74 हजार रुपये, सोने की दो चेन और गोल्ड फ्लेग सिगरेट के 13 पैकेट चोरी किए थे। मामले में बीएनएस की धारा 305 और 331(4) के तहत केस दर्ज है। विवेचना में धारा 317(2) और 3(5) की बढ़ोतरी की गई है।

किसान दिवस पर डीएम ने सुनीं किसानों की समस्या

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बुधवार को किसान दिवस की बैठक में डीएम गौरव सिंह सोगरवाल ने किसानों की शिकायतों का समय पर निपटारा करने के निर्देश दिए। जिले की कमान संभालने के बाद उन्होंने पहली बार किसानों से सीधे बात की। अम्बेडकर सभागार में हुई बैठक में किसानों ने किसान सम्मान निधि, फार्मर रजिस्ट्री, बिजली बिल, खाद–बीज, कृषि दवाओं और सिंचाई से जुड़ी समस्याएं रखीं।

डीएम ने कहा कि शिकायतें लिखित में दें, ताकि संबंधित विभाग के अधिकारियों को भेजकर कार्रवाई कराई जा सके।

उन्होंने कहा कि शिकायतें सिर्फ सुनने तक सीमित न रहें। उनका समयसीमा के भीतर और पूरी तरह निपटारा किया जाए। किसान दिवस में सभी संबंधित अधिकारियों को खुद मौजूद रहने के निर्देश भी दिए। डीएम ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ हर पात्र किसान तक पहुंचना चाहिए। किसानों की समस्याओं के समाधान में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। किसानों से बात करते हुए उन्होंने कहा, "आज पहली बार आप लोगों से मिल रहा हूं। उम्मीद है कि जिले के विकास और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन और किसान मिलकर काम करेंगे। इसके लिए किसानों का सहयोग जरूरी है।" बैठक की शुरुआत में उप कृषि निदेशक राजेश कुमार ने पिछली किसान दिवस बैठक की कार्यवाही पढ़ी। उन्होंने बताया कि पिछली बैठक की ज्यादातर शिकायतों का निपटारा हो चुका है। बैठक में सीडीओ बलराम सिंह, जिला कृषि अधिकारी रवि शंकर पांडेय, सहायक निदेशक मत्स्य नंद किशोर, एआर कोऑपरेटिव प्रकाश बहादुर गौतम, किसान यूनियन के पदाधिकारी और अलग–अलग विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

298 युवाओं को मिला रोजगार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। कटेहरी में जिला सेवा योजन कार्यालय और देव इंद्रावती पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय और विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. राना रणधीर सिंह ने फीता काटकर और सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया।

मेले में 605 पंजीयन के सापेक्ष विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों ने 298 युवाओं का चयन किया। इसका उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अवसर देकर आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्य अतिथि ने युवाओं से सरकार की रोजगारपरक नीतियों का लाभ उठाने का आह्वान किया। आवेदक नीरज सिंह, सर्वेश यादव, पतिराम, राम दुलार, राजकुमार और पंकज ने कहा कि युवाओं के रोजगार को लेकर मुख्यमंत्री की मंशा पूरी हो रही है। लोगों ने रोजगार और स्वरोजगार से अपनी जिंदगी संवारी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. एबी सिंह ने की और संचालन डॉ. बीरबल शर्मा ने किया। राजकीय आईटीआई के नोडल प्रधानाचार्य चंद्रशेखर सिंह सहित डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. नीता मिश्रा, डॉ. तेजभान मिश्रा और डॉ. बलकरन यादव ने सहयोग किया। डॉ. मनोज सिंह भी मौजूद रहे। श्रम विभाग के अंकुर श्रीवास्तव, धर्मेंद्र यादव और सुजीत कुमार ने भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं, उत्तर प्रदेश डिजिटल लेबर चौक ऐप, पंजीयन, नवीनीकरण प्रक्रिया और पात्रता की जानकारी दी।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद सं0–218 / 2018

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर जिला– सिद्धार्थनगर

गंगाराम

बनाम

रामकृपाल आदि

1. रामकृपाल पुत्र मोतीलाल उम्र 43 वर्ष साकिन बर्डपुर नं0– 6 टोला तिवारीपुर तप्पा घोष परगना नौगढ़ तहसील नौगढ़ डाकघर बर्डपुर ब्रान्च पो0आ0 पिपरसन जनपद सिद्धार्थनगर –प्रतिवादी प्रथम पक्ष

2. मोतीलाल पुत्र सीताराम उम्र लगभग 80 वर्ष साकिन बर्डपुर नं0– 6 टोला तिवारीपुर तप्पा घोष परगना नौगढ़ तहसील नौगढ़ डाकघर बर्डपुर ब्रान्च पो0आ0 पिपरसन जनपद सिद्धार्थनगर

–प्रतिवादी द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 18–12–2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 18–12–2026 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

महिलाओं को निशाना बनाकर गहनों की लूट करने वाला इनामी बदमाश सद्दाम नूरी गिरफ्तार



संवाददाता–अयोध्या। क्षेत्र में महिलाओं को निशाना बना कर लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले इनामी बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने लखनऊ–अयोध्या हाईवे पर रौजागांव ओवरब्रिज के पास घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान नगर के पूरे मलिक मोहल्ला निवासी सद्दाम उर्फ नूरी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी दो लूट की घटनाओं में वांछित था।

पुलिस के अनुसार पहली वारदात 12 फरवरी 2026 को शाम के समय ग्राम फिरोजपुर पवारान–कूढ़ासादात संपर्क मार्ग पर नहर पुलिया के पास हुई थी। यहां तीन महिलाओं से सोने की झुमकी, पाजेब, नाक का बुंदा और मटरमाला छीन ली गई थी। इसके बाद 25 फरवरी 2026 को ग्राम रहीमगंज धौरहरा में एक बुजुर्ग महिला को निशाना बनाते हुए उसके कान के बाले, नाक का बुंदा, मंगलसूत्र और पैरों की पायल लूट ली गई थी। दोनों घटनाओं के संबंध में कोतवाली में मुकदमे दर्ज किए गए थे। पुलिस तभी से आरोपी की तलाश में जुटी थी। प्रभारी निरीक्षक संजय मौर्य के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार सद्दाम का आपराधिक इतिहास भी लंबा है। उसके खिलाफ मवई, रौनाही और रुदौली थानों में चोरी, लूट, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में आठ मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2018 का लूट का मुकदमा, वर्ष 2019 का गैंगस्टर एक्ट, वर्ष 2021 के चोरी और आर्म्स एक्ट के मामले तथा वर्ष 2024 में दर्ज मुकदमें शामिल हैं।

सिद्धार्थ विवि में 20 नवंबर को लगेगा बोधिसत्व रोजगार संगम

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सेवायोजन विभाग, कौशल विकास मिशन एवं आईटीआई के संयुक्त तत्वावधान में 20 नवंबर को विश्वविद्यालय परिसर में बोधिसत्व रोजगार संगम(रोजगार मेला) का आयोजन किया जाएगा। इसमें देश–विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियां व संस्थान प्रतिभाग करेंगे। रोजगार संगम के माध्यम से स्नातक, परास्नातक एवं उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। यह जानकारी कार्यक्रम के संयोजक व विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.आशुतोष वर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि इस रोजगार मेले में टाटा मोटर्स, फ्लिपकार्ट, ब्लिंकिट, एमआरएफ, उत्कर्ष बैंक, आईडीएफसी बैंक सहित कई प्रतिष्ठित कंपनियां एवं संस्थान सम्मिलित होंगे। इसमें स्नातक एवं परास्नातक उत्तीर्ण व उच्च शिक्षा ले रहे जुड़े विद्यार्थी प्रतिभाग कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि रोजगार मेला सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक होगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–928 / 2026

क0 वाद सं0– C202617000000928

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला बस्ती

लालचन्द

बनाम

बाबूराम आदि

1. बाबूराम पुत्र रामदास 23. सुनील कुमार 3. राधेश्याम पुत्रगण फूलचन्द निवासीगण ग्राम थाल्हापार तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 4. बंशबहादुर पुत्र रामकिशुन ग्राम थाल्हापार तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती हाल मुकाम ग्राम बावरपारा पोस्ट पैकवलिया जिला बस्ती 5. सोनू 6. मोनू पुत्रगण रामकिशुन निवासीगण ग्राम थाल्हापार तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 7. ग्राम सभा थाल्हापार जरिए ग्राम प्रधान ग्राम थाल्हापार तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–11–2026

वाजेह हो कि ने ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दोहरे हत्याकांड में पांचवां आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। जमोहरा गांव में हुए दोहरे हत्याकांड में पुलिस ने पांचवें आरोपी निखिल यादव को गिरफ्तार किया है। बुधवार को उसे मेंहदावल के सोनवर्षा रोड के पास से पकड़ा गया। पुलिस ने उसे न्यायालय भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, 15 नवंबर को पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। इस दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लाठी–डंडे, बेल्ट, फरसा और अवैध असलहों से हमला किया। इसमें रामकुमार यादव और रामकेश यादव की मौत हो गई। सहसराम यादव और घनश्याम यादव गंभीर रूप से घायल हुए थे। घटना के बाद मेंहदावल पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें बनाईं। पुलिस ने पहले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 17 नवंबर को मुठभेड़ में राकेश यादव घायल हुआ और उसे गिरफ्तार किया गया। उसके पास से तमंचा और कारतूस मिले थे।

पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदमन सिंह की निगरानी में गिरफ्तारी की गई। प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह और एसओजी टीम ने निखिल यादव को पकड़ा।

पुलिस के अनुसार, निखिल यादव पुत्र वीरेंद्र यादव जमोहरा टोला महुआवा, थाना मेंहदावल का निवासी है। जरूरी कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस बाकी आरोपियों को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

लंका में गरजे हनुमान जी, धू–धू कर जली सोने की लंका

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सनातन धर्म संस्था द्वारा सातवें वर्ष आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव के सप्तम दिवस की लीलाओं का शुभारंभ भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं हनुमान जी की दिव्य भाव झांकी के समक्ष आरती के साथ हुआ। आरती में मुख्य रूप से डॉ. विनायक जायसवाल, जे.डी. यादव, राजेश चौधरी, अनिल, पूजा, प्रेम शंकर ओझा, अविनाश त्रिपाठी, मनीष सिंह, श्याम जी चौधरी, डॉ. शैलेष सिंह, एम.पी. दुबे, कर्नल के.सी. मिश्र, अतुल चित्रगुप्त, अनुराग शुक्ल, राजेश मिश्र सहित दोनों विद्यालयों के शिक्षक–शिक्षिकाएं सम्मिलित हुए।

सप्तम दिवस की प्रथम लीला में फिनिक्स पब्लिक स्कूल, बस्ती के बाल कलाकारों ने सुग्रीव द्वारा राजपद प्राप्त होने के पश्चात भगवान श्रीराम को दिए गए वचन को विस्मृत कर देने का प्रसंग प्रस्तुत किया। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि पद और सत्ता का मद व्यक्ति को अपने कर्तव्यों एवं प्रतिज्ञाओं से विमुख कर सकता है। जब लक्ष्मण जी भगवान श्रीराम के दूत बनकर सुग्रीव के पास पहुंचते हैं, तब हनुमान जी उन्हें प्रभु श्रीराम को दिए गए वचन का स्मरण कराते हैं। इसके पश्चात सुग्रीव वानरी सेना को एकत्र कर माता सीता की खोज के लिए चारों दिशाओं में भेजते हैं।

माता सीता की खोज में निकली वानरी सेना की भेंट मार्ग में स्वयंप्रभा से होती है। इसके पश्चात समुद्र तट पर उनकी भेंट जटायु के भाई सम्पाती से होती है। जटायु के बलिदान का प्रसंग सुनकर सम्पाती भावविह्वल हो जाते हैं और अपनी दिव्य दृष्टि से माता सीता के लंका में होने का पता बताते हैं। समुद्र के विशाल विस्तार को देखकर जब वानरी सेना चिंतित होती है, तब जामवंत जी हनुमान जी को उनकी अद्भुत शक्ति एवं सामर्थ्य का स्मरण कराते हैं।



इसके पश्चात श्रीराम पब्लिक स्कूल, बस्ती के बाल कलाकारों ने सुंदरकांड के अंतर्गत समुद्र लांघने से लेकर लंका दहन तक की अत्यंत मनोहारी लीला का मंचन किया।

तब लगि मोहि परखेहु तुम्ह भाई।
सहि दुख कंद मूल फल खाई
प्रभु श्रीराम का स्मरण करते हुए बजरंगबली विशाल समुद्र को लांघने के लिए प्रस्थान करते हैं। मार्ग में समुद्र से प्रकट हुए मैनाक पर्वत उन्हें विश्राम करने का आग्रह करते हैं, किंतु प्रभु का कार्य पूर्ण किए बिना विश्राम न करने का संकल्प लेकर हनुमान जी पर्वत को प्रणाम कर आगे बढ़ जाते हैं।

इसके बाद उनकी भेंट सुरसा से होती है, जो उनके बल, बुद्धि और विवेक की परीक्षा लेती हैं। हनुमान जी अपनी बुद्धिमत्ता से उनका सामना कर आगे बढ़ते हैं। मार्ग में सिंहिका नामक राक्षसी उनकी छाया पकड़कर उन्हें रोकने का प्रयास करती है। हनुमान जी उसका वध कर समुद्र पार करते हुए लंका पहुंचते हैं।

पुर रखवारे देखि बहु कपि मन कीन्ह बिचारि।
अति लघु रूप धरौं निसि नगर करौं पइसारि

हनुमान जी अत्यंत लघु रूप धारण कर लंका में प्रवेश करते हैं। नगर के द्वार पर पहरा दे रही राक्षसी लंकिनी से उनकी भेंट होती है। लंका में माता सीता की खोज करते हुए उन्हें विभीषण का घर दिखाई देता है, जहां भगवान श्रीराम के नाम का उच्चारण हो रहा होता है। ब्राह्मण का रूप धारण कर हनुमान जी विभीषण से परिचय प्राप्त करते हैं। विभीषण उन्हें माता जानकी के अशोक वाटिका में होने की जानकारी देते हैं।

अशोक वाटिका में माता सीता के समक्ष हनुमान जी प्रभु श्रीराम द्वारा दी गई मुद्रिका प्रस्तुत करते हैं। मुद्रिका देखते ही माता का हृदय प्रसन्नता से भर जाता है। हनुमान जी अपना परिचय देते हुए माता को आश्वस्त करते हैं कि प्रभु श्रीराम शीघ्र ही लंका पर विजय प्राप्त कर उन्हें वापस ले जाएंगे। माता सीता को वानर सेना की शक्ति को लेकर संशय होता है, तब हनुमान जी अपना विशाल स्वरूप प्रकट कर उन्हें आश्वस्त करते हैं।

माता से आज्ञा लेकर हनुमान जी अशोक वाटिका के फल खाने लगते हैं और देखते ही देखते पूरी वाटिका को तहस–नहस कर देते हैं। रावण के आदेश पर अक्षय कुमार उनसे युद्ध करने आता है, जिसका बजरंगबली वध कर देते हैं। तत्पश्चात मेघनाद ब्रह्मास्त्र का प्रयोग कर उन्हें बंदी बनाकर रावण की सभा में ले जाता है। रावण और हनुमान जी के मध्य हुए ओजस्वी संवाद के दौरान विभीषण दूत को मृत्युदंड देने का विरोध करते हुए कहते हैं कि दूत का वध करना धर्मसम्मत नहीं है। इस पर रावण हनुमान जी की पूंछ में वस्त्र लपेटकर अग्नि लगाने का आदेश देता है। राक्षसों द्वारा पूंछ में अग्नि लगाए जाने के पश्चात बजरंगबली बंधनों से मुक्त होकर पूरी लंका में विचरण करते हुए एक–एक करके महलों में आग लगा देते हैं। देखते ही देखते सोने की लंका धू–धू कर जलने लगती है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

अदालत–श्रीमान विशेष न्यायाधीश ई0सी0 एक्ट महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सिविल अपील सं0–10 / 2022

फते मोहम्मद

बनाम

विशेश्वर

1 / 1 अशोक कुमार पुत्र विशेश्वर 1 / 2 श्रवण कुमार पुत्र विशेश्वर साकिनान मौजा तुरकौलिया उर्फ करमहिया तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–11–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 20 महीना 11 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण वाद सं0 210 / 2026

श्रीमती दीपा सोनी–सायल

1. श्रीमती दीपा सोनी उम्र लगभग 46 साल पत्नी घनश्याम सोनी निवासी पूरब मोहाली कोतवाली रोड अमरावती मिर्जापुर विन्ध्यांचल हाल मुकाम मरवटिया राजा माली टोला तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 23–11–2026

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकेद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 23–11–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

अदालत–श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सिविल अपील सं0–74 / 2025

अदालती

बनाम

कन्हैया लाल आदि

1. कन्हैया लाल आयु 52 साल पुत्र रामहरख 2. धर्मराज आयु 47 साल पुत्र रामहरख 3. झिनकान आयु 30 साल पुत्र हरिनन्द निवासीगण ग्राम कुसुम्हा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 22–12–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 12 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com